कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3 **MHD–1**

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य—I

(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर देने हैं।* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : $2 \times 10 = 20$

(क) दिव मंडन तारक सयल सर मंडन कमलान।
जस मंडन नर भर सयल महि मंडन महिलानु॥
महिलहि मंडन निपति ग्रिह कनक कंति ललनानि।
तिहि उप्परि संजोगि धर रख्यो वलि वानि॥

(ख) तोर हीरा हिराइल बा किचड़े में,

कोई ढूँढ़ै पूरब कोई ढूँढै पश्चिम

कोई ढूँढै पानी–पथरे में।

दास कबीर ये हीरा को परखै

बाँध लिहलै जीयरा के अँथरे में।

(ग) आगम, वेद, पुरान बखानत मारग कोटि न जाहिं न जाने।

जे मुनि ते पुनि आपुहिं आपको ईसु कहावत सिद्ध सयाने॥

धर्म सबै कलिकाल ग्रसे, जप, जोग, बिरागु लै जीव पराने।

को करि सोचु मरै 'तुलसी' हम जानकीनाथ के हाथ बिकाने॥

(घ) लाल, तुम्हारे बिरह की अगनि अनूप अपार।

सरसै बरसै नीर हूँ, झर हूँ मिटै न झार॥

कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात।

कहिहै सब तैरो हिया मेरे हिय की बात॥

2. 'पृथ्वीराज रासो' की विषय-वस्तु पर प्रकाश डालिए। 10

3. गीतिकाव्य के रूप में 'विद्यापति पदावली' की विशेषताएँ बताइए। 10

4. कबीर की भाषा के विभिन्न रूपों की चर्चा कीजिए। 10

5. सूर-काव्य में चित्रित प्रेमानुभूति का विवेचन कीजिए। 10

6. मीरा की भक्ति पर विचार कीजिए। 10

7. तुलसीदास की भाषा की विशेषताएँ बताइए। 10

8. घनानंद के प्रेम संबंधी दृष्टिकोण का मूल्यांकन कीजिए। 10